This Question Paper consists of 51 questions and 12 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवम् 12 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 12 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्क :

Code No.
गूढसंख्या **68/SS/O**

SET **A**

संस्कृतव्याकरणम्

संस्कृत व्याकरण

(346)

Day and Date of Examination :

(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च) _____

Signature of Invigilators :

(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्) 1. _____

2. _____

सामान्या निर्देशाः/सामान्य निर्देश :

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल नं. न लिखें।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **68/SS/O-A** नूनं लेख्या।
   अपने उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **68/SS/O-A** लिखें।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

NOTE / निर्देश :

(1) Answers of all questions are to be given in the Anwer-Book given to you.

सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संस्कृतव्याकरणम्

संस्कृत व्याकरण

(346)

परीक्षासमयावधिः (समय) : होरात्रयम् (3 घण्टे)] **[पूर्णाङ्काः (अधिकतम अंक) : 100**

निर्देशाः : (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20, [B]** भागे **15, [C]** भागे **6, [D]** भागे **6, [E]** भागे **4** इति आहत्य **51** प्रश्नाः सन्ति।

(ii) समे प्रश्ना अनिवार्याः। तत्र वैकल्पिकभागेषु एकः एव समाधेयः।

(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति अङ्कान् दीयन्ते।

(iv) **A** भागे प्र.सं. **1** तः **20** पर्यन्तं – बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः **(MCQs)** येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

(v) **B** भागे प्र.सं. **21** तः **35** पर्यन्तम् – वस्तुनिष्ठप्रश्नाः। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vi) **C** भागे प्र.सं. **36** तः **41** पर्यन्तम् – अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vii) **D** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् – अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(viii) **E** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तम् – दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्च अंकात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एवं लेख्यानि।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा । प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा ।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

भाग - A

अधोलिखितानां विंशति प्रश्नानां (20) प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत। **20x1=20**
अधोलिखित बीस (20) प्रश्नों के प्रदत्त विकल्पों में से उचित विकल्प को चुनें।

1. 'द्विमूर्धः' इत्यत्र कः प्रत्ययः ? **1**
(क) षच् (ख) अच् (ग) ष (घ) षट्
'द्विमूर्ध' इसमें कौन-सा प्रत्यय है ?
(क) षच् (ख) अच् (ग) ष (घ) षट्

2. 'निष्ठा' सूत्रमिदं कीदृशम् ? **1**
(क) अधिकारसूत्रम् (ख) सञ्ज्ञासूत्रम् (ग) विधिसूत्रम् (घ) अतिदेशसूत्रम्
'निष्ठा' यह किस प्रकार का सूत्र है ?
(क) अधिकारसूत्र (ख) सञ्ज्ञासूत्र (ग) विधिसूत्र (घ) अतिदेशसूत्र

3. एकीभूय क्रियायामन्वयः यत्र तत्र चकारस्य कोऽर्थः ? **1**
(क) समुच्चयः (ख) समाहारः (ग) अन्वाचयः (घ) इतरेतरः
एक होकर क्रिया में अन्वय जहाँ होता है, वह चकार का कौन-सा अर्थ है ?
(क) समुच्चय (ख) समाहार (ग) अन्वाचय (घ) इतरेतर

4. भट्टोजिदीक्षितनये वृत्त्यर्थावबोधकं वाक्यं किं भवति ? **1**
(क) विवरणम् (ख) विशेषः (ग) विग्रहः (घ) वृत्तिः
भट्टोजिदीक्षित के अनुसार वृत्त्यर्थावबोधक वाक्य क्या होता है ?
(क) विवरण (ख) विशेष (ग) विग्रह (घ) वृत्ति

5. 'दामा' इत्यत्र कः स्त्रीप्रत्ययो वर्त्तते ? **1**
(क) टाप् (ख) डाप् (ग) चाप् (घ) आप्
'दामा' यहाँ पर कौन-सा स्त्रीप्रत्यय हुआ है ?
(क) टाप् (ख) डाप् (ग) चाप् (घ) आप्

6. क्वरप्-प्रत्ययान्तस्य किम् उदाहरणम् अस्ति ? **1**
(क) आक्षिकी (ख) इत्वरी (ग) यादृशी (घ) औत्सी
क्वरप्-प्रत्ययान्त का कौन-सा उदाहरण है ?
(क) आक्षिकी (ख) इत्वरी (ग) यादृशी (घ) औत्सी

7. 'इन्द्राणी' इत्यत्र नकारस्य णकारादेशः केन सूत्रेण विधीयते ? **1**
(क) णलुत्तमो वा (ख) रषाभ्यां नो णः समानपदे
(ग) अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि (घ) णो नः
'इन्द्राणी' यहाँ नकार को णकारादेश किस सूत्र से विहीत है ?
(क) णलुत्तमो वा (ख) रषाभ्यां नो णः समानपदे
(ग) अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि (घ) णो नः

8. 'लघ्वी' इत्युदाहरणं कस्य सूत्रस्य अस्ति ? 1

(क) जातेरस्त्रीविषयादयोपधात् (ख) स्वाङ्गाच्चोपसर्जनादसंयोगोपधात्

(ग) पुंयोगादाख्यायाम् (घ) वोतो गुणवचनात्

'लघ्वी' यह उदाहरण किस सूत्र का है ?

(क) जातेरस्त्रीविषयादयोपधात् (ख) स्वाङ्गाच्चोपसर्जनादसंयोगोपधात्

(ग) पुंयोगादाख्यायाम् (घ) वोतो गुणवचनात्

9. अपित् सार्वधातुकं कीदृशं भवति ? 1

(क) कित्-वत् (ख) णित्-वत् (ग) ङित्-वत् (घ) गित्-वत्

अपित् सार्वधातुक किसके समान होता है ?

(क) कित्-वत् (ख) णित्-वत् (ग) ङित्-वत् (घ) गित्-वत्

10. 'सत्कारपूर्वको व्यापारः' किं भवति ? 1

(क) सम्प्रश्नः (ख) प्रार्थनम् (ग) आमन्त्रणम् (घ) अधीष्टः

'सत्कारपूर्वक व्यापार' क्या कहलाता है ?

(क) सम्प्रश्न (ख) प्रार्थन (ग) आमन्त्रण (घ) अधीष्ट

11. 'उपदेशेऽत्वतः' इत्यनेन सूत्रेण किं कार्यं भवति ? 1

(क) इडागमः (ख) इट्-निषेधः (ग) अवर्णादेशः (घ) इट्-व्यत्ययः

'उपदेशेऽत्वतः' इस सूत्र से कौन-सा कार्य होता है ?

(क) इडागमः (ख) इट्-निषेधः (ग) अवर्णादेशः (घ) इट्-व्यत्ययः

12. 'अचो ञ्णिति' इत्यनेन सूत्रेण विहिता वृद्धिः अजन्तस्य अङ्गस्य कस्य अचः स्थाने भवति ? 1

(क) आदेः अचः (ख) अन्त्यस्य अचः (ग) सर्वेषाम् अचाम् (घ) मध्ये स्थितस्य अचः

'अचो ञ्णिति' इस सूत्र से विहित वृद्धि अजन्त अङ्ग के किस अच् के स्थान पर होती है ?

(क) आदि अच् (ख) अन्त्य अच् (ग) सभी अच् (घ) मध्य में स्थित अच्

13. कस्मात् धातोः णलः औकारादेशः स्यात् ? 1

(क) अदन्तात् (ख) आदन्तात् (ग) इदन्तात् (घ) उदन्तात्

किस धातु से विहित णल् को औकारादेश हो ?

(क) अदन्त (ख) आदन्त (ग) इदन्त (घ) उदन्त

14. कीदृशि प्रत्यये परतः अजन्ताङ्गस्य दीर्घः स्यात्? 1

(क) अजादौ (ख) स्वादौ (ग) यादौ (घ) कृदादौ

कैसे प्रत्यय परे रहने पर अजन्त अङ्ग को दीर्घ हो?

(क) अजादि (ख) स्वादि (ग) यादि (घ) कृदादि

15. धकारादौ प्रत्यये परतः कस्य लोपः भवति? 1

(क) सस्य (ख) इकारस्य (ग) हस्य (घ) रेफस्य

धकारादि प्रत्यय परे होने पर किसका लोप होता है?

(क) स् (ख) इ (ग) ह् (घ) रेफ

16. अभ्यस्तात् कस्य अत् स्यात्? 1

(क) इटः (ख) झस्य (ग) झेः (घ) तस्य

अभ्यस्त से किसको अत् हो?

(क) इट् (ख) झ (ग) झि (घ) त

17. श्नस्य असः च अतः लोपो कदा भवति? 1

(क) सार्वधातुके णिति प्रत्यये परे (ख) आर्धधातुके णिति प्रत्यये परे

(ग) सार्वधातुके क्ङिति प्रत्यये परे (घ) आर्धधातुके ञिति प्रत्यये परे

श्न तथा अस् के अ का लोप कब होता है?

(क) सार्वधातुक णित् प्रत्यय बाद में रहने पर (ख) आर्धधातुक णित् प्रत्यय बाद में रहने पर

(ग) सार्वधातुक क्ङित् प्रत्यय बाद में रहने पर (घ) आर्धधातुक ञित् प्रत्यय बाद में रहने पर

18. 'ये च' इति सूत्रार्थे कस्य अनुवृत्तिः भवति? 1

(क) नित्यम् (ख) आत्मनेपदम् (ग) करोतेः (घ) अन्यतरस्याम्

'ये च' इस सूत्र के अर्थ में किसकी अनुवृत्ति होती है?

(क) नित्यम् (ख) आत्मनेपदम् (ग) करोतेः (घ) अन्यतरस्याम्

19. अपत्यत्वेन विवक्षितं पौत्रादि किं सञ्ज्ञं स्यात्? 1

(क) गोत्रसञ्ज्ञम् (ख) गोत्रापत्यसञ्ज्ञम् (ग) पौत्रसञ्ज्ञम् (घ) अपत्यसञ्ज्ञम्

अपत्य के रूप में विवक्षित पौत्रादि की कौनसी सञ्ज्ञा होती है?

(क) गोत्रसञ्ज्ञा (ख) गोत्रापत्यसञ्ज्ञा (ग) पौत्रसञ्ज्ञा (घ) अपत्यसञ्ज्ञा

20. 'पाञ्चालः' इत्यत्र कः प्रत्ययः अस्ति? 1

(क) अञ् (ख) अण् (ग) यञ् (घ) ण्य

'पाञ्चालः' यहाँ कौनसा प्रत्यय है?

(क) अञ् (ख) अण् (ग) यञ् (घ) ण्य

भाग - B

अधोलिखितान् प्रश्नान् यथानिर्देशम् उत्तरत : **15x2=30**

अधोलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

21. सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत : **2**

सूत्रम्		**उदाहरणम्**
(क) वयसि प्रथमे।	(i)	हरिणी
(ख) द्विगोः।	(ii)	कुमारी
(ग) उगितश्च।	(iii)	दशरथी
(घ) वर्णादनुदात्तात्तोपधात्तो नः।	(iv)	पचन्ती

सूत्र और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए :

सूत्र		**उदाहरण**
(क) वयसि प्रथमे।	(i)	हरिणी
(ख) द्विगोः।	(ii)	कुमारी
(ग) उगितश्च।	(iii)	दशरथी
(घ) वर्णादनुदात्तात्तोपधात्तो नः।	(iv)	पचन्ती

22. प्रत्ययोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत : **2**

प्रत्ययः		**उदाहरणम्**
(क) टाप्	(i)	शाला
(ख) डाप्	(ii)	सर्वा
	(iii)	सुचर्मा

प्रत्यय एवं उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए :

प्रत्यय		**उदाहरण**
(क) टाप्	(i)	शाला
(ख) डाप्	(ii)	सर्वा
	(iii)	सुचर्मा

23. समाससमासलक्षणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत : **2**

समासः		**समासलक्षणम्**
(क) द्वन्द्वः	(i)	पूर्वपदार्थप्रधानः
(ख) अव्ययीभावः	(ii)	उभयपदार्थप्रधानः
	(iii)	उत्तरपदार्थप्रधानः

समास एवं समासलक्षण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए :

समास		**समासलक्षण**
(क) द्वन्द्व	(i)	पूर्वपदार्थप्रधान
(ख) अव्ययीभाव	(ii)	उभयपदार्थप्रधान
	(iii)	उत्तरपदार्थप्रधान

24. सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत : 2

सूत्रम्		**उदाहरणम्**
(क) अजाद्यन्तम्	(i)	हरिहरौ
(ख) अल्पाच्तरम्	(ii)	ईशकृष्णौ
	(iii)	शिवकेशवौ

सूत्र तथा उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए :

सूत्र		**उदाहरण**
(क) अजाद्यन्तम्	(i)	हरिहरौ
(ख) अल्पाच्तरम्	(ii)	ईशकृष्णौ
	(iii)	शिवकेशवौ

25. सिद्धशब्देन सह प्रत्ययस्य युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत : 2

सिद्धशब्दः		**प्रत्ययः**
(क) महायशस्कः	(i)	अप्
(ख) बहिर्लोमः	(ii)	कप्
	(iii)	ष

सिद्धशब्द के साथ प्रत्यय का युक्तियुक्त मिलान कीजिए :

सिद्धशब्द		**प्रत्यय**
(क) महायशस्क	(i)	अप्
(ख) बहिर्लोम	(ii)	कप्
	(iii)	ष

26. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत : 2

(क) आमन्तात् लिट्पराः _____ अनुप्रयुज्यन्ते।

(ख) _____ एजन्तस्य धातोः आत्वं न तु शिति।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(क) आम्प्रत्यय के पश्चात् लिट्परे रहने पर _____ अनुप्रयोग होता है।

(ख) _____ एजन्त धातु को आकारदेश होता है शित् प्रत्यय परे न हो तो।

27. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत : 2

(क) इगन्तस्य अङ्गस्य _____ स्यात् परस्मैपदे सिचि परतः।

(ख) ह्रस्वं लघु इति सूत्रेण _____ विधीयते।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(क) इगन्त अङ्ग को _____ हो परस्मैपदी सिच् प्रत्यय के परे रहते।

(ख) ह्रस्वं लघु इस सूत्र से _____ विहित है।

28. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत : 2

(क) इजादिर्यो धातुः गुरुमान् ऋच्छत्यन्यः ततः _____ स्याल्लिटि।

(ख) तासस्त्योः सस्य _____ स्याद् एति परे।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(क) इजादि, गुरुमान् तथा ऋच्छति से अन्य जो धातु उससे _____ हो लिट् परे रहते।

(ख) तास् एवं अस् के स् को _____ हो एकारादि प्रत्यय परे रहते।

29. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत : 2

(क) शासिवसिघसीनाम् इण्कुभ्यां परस्य सस्य _____ स्यात्।

(ख) होः झलन्तेभ्यश्च हेः _____ स्यात्।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(क) इण् तथा कवर्ग से उत्तर शासु, वस तथा घस् के सकार को _____ हो।

(ख) हु एवं झलन्त से विहित हि को _____ हो।

30. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत : 2

(क) असंयोगपूर्वस्य प्रत्ययोकारस्य _____ वा म्वोः परयोः।

(ख) तुदागणपठितधातुभ्यः _____ प्रत्ययो भवति कर्तृवाचिनि सार्वधातुके परे।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(क) असंयोगपूर्व प्रत्यय के उकार का _____ विकल्प से होता है मकार अथवा वकार के परे रहते।

(ख) तुदादिगण-पठित धातुओं से _____ प्रत्यय होता है कर्तृवाचक सार्वधातुक परे होने पर।

31. अधोलिखितविधानेषु सत्यम् असत्यम् वा इति निर्धारणं कुरुत : 2

(क) भूमनिन्दाप्रशंसासु मतुबादयः प्रत्ययाः भवन्ति।

(ख) अस्तिविवक्षायां मतुबादयः प्रत्ययाः न भवन्ति।

अधोलिखित विधानों में सत्य अथवा असत्य का निर्धारण कीजिए :

(क) भूम, निन्दा, प्रशंसा इन अर्थों में मतुबादि प्रत्यया होते हैं।

(ख) अस्तिविवक्षा में मतुबादि प्रत्यय नहीं होते हैं।

32. अधोलिखितविधानेषु सत्यम् असत्यम् वा इति निर्धारणं कुरुत : 2

(क) अच्, आटच्, आलच्, एते मत्वर्थीयाः प्रत्ययाः सन्ति।

(ख) वाग्मी, वाचालः, वाचाटः इत्येते मत्वर्थीप्रकरणस्थानि उदाहरणानि न सन्ति।

अधोलिखित विधानों में सत्य अथवा असत्य का निर्धारण कीजिए :

(क) अच्, आटच्, आलच्, ये मत्वर्थीय प्रत्यय हैं।

(ख) वाग्मी, वाचालः, वाचाटः ये प्रत्यय मत्वर्थीय प्रकरणस्थ उदाहरण नहीं हैं।

33. अधोलिखितविधानेषु सत्यम् असत्यम् वा इति निर्धारणं कुरुत : 2

(क) समाजं रक्षतीति सामाजिकः।

(ख) तवक-ममकौ आदेशौ अनेकालौ स्तः, अतः तौ सर्वादेशौ भवतः।

अधोलिखित विधानों में सत्य अथवा असत्य का निर्धारण कीजिए :

(क) समाज की रक्षा करता है - सामाजिक।

(ख) तवक, ममक ये आदेश अनेकाल् हैं, अतः वे दोनों सर्वादेश है।

34. अधोलिखितविधानेषु सत्यम् असत्यम् वा इति निर्धारणं कुरुत : 2

(क) शाला इति पदं वृद्धसञ्ज्ञं नास्ति।

(ख) राष्ट्रशब्दात् छः प्रत्ययः भवति।

अधोलिखित विधानों में सत्य अथवा असत्य का निर्धारण कीजिए :

(क) शाला यह पद वृद्धसञ्ज्ञक नहीं है।

(ख) राष्ट्र शब्द से छ प्रत्यय होता है।

35. अधोलिखितविधानेषु सत्यम् असत्यम् वा इति निर्धारणं कुरुत : 2

(क) कियान् इयान् चैतौ शब्दौ वतुप्-प्रत्ययान्तौ स्तः।

(ख) च्वि-प्रत्ययः अभूततद्भावे अर्थे भवति।

अधोलिखित विधानों में सत्य अथवा असत्य का निर्धारण कीजिए :

(क) कियान् एवं इयान् ये शब्द वतुप् प्रत्ययान्त हैं।

(ख) च्वि प्रत्यय अभूततद्भाव अर्थ में होता है।

भाग - C

षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखित : **6x2=12**

छः प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

36. 'प्रियसर्पिष्कः' इति कस्य सूत्रस्योदाहरणमस्ति? तस्य च सूत्रस्यार्थः कः? 2

'प्रियसर्पिष्कः' किस सूत्र का उदाहरण है और उस सूत्र का अर्थ क्या है?

37. 'तन्वी' इत्यत्र कः प्रत्ययः? केन च सूत्रेण सः प्रत्ययः विधीयते? 2

'तन्वी' यहाँ कौन-सा प्रत्यय है और किस सूत्र से विहित है?

38. 'आत' इत्यत्र केन सूत्रेण दीर्घादेशः, केन च सूत्रेण वृद्धिः विधीयते? 2

'आत' यहाँ किस सूत्र से दीर्घादेश और किस सूत्र से वृद्धि का विधान किया गया है?

39. 'अजुहवुः' इत्यत्र केन सूत्रेण गुणो विधीयते? तस्य च सूत्रस्यार्थः कः? 2

'अजुहवुः' यहाँ किस सूत्र से गुण का विधान है? और उस सूत्र का अर्थ क्या है?

40. 'शुक्लः' इत्यत्र केन वार्तिकेण मतुप् प्रत्ययस्य लुग् भवति? अथ च 'चूडालः' इत्यत्र कः प्रत्ययः? 2

'शुक्लः' यहाँ किस वार्तिक से मतुप् प्रत्यय का लुक् होता है? और 'चूडालः' में कौन-सा प्रत्यय है?

41. 'जनता' इत्यत्र को विग्रहः? अत्र च कः प्रत्ययः केन सूत्रेण विधीयते? 2

'जनता' यहाँ विग्रह क्या है ? और यहाँ कौन-सा प्रत्यय किस सूत्र से विहित है?

भाग - D

षट् प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त : **6x3=18**

छः प्रश्नों का अनतिदीर्घ उत्तरों से समाधान कीजिए :

42. 'पिता मात्रा' इति सूत्रं सोदाहरणं स्पष्टीकुरुत। 3

'पिता मात्रा' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

43. विग्रहवाक्यस्वरूपम्, तद्भेदाश्च सोदाहरणं व्याख्यात। 3

विग्रहवाक्य का स्वरूप एवं उसके भेदों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

44. 'भवन्ती' इति रूपं ससूत्रं साधयत। 3

'भवन्ती' की ससूत्र रूपसिद्धि कीजिए।

45. 'जुहवाञ्चकार' इति रूपं ससूत्रं साधयत। 3

'जुहवाञ्चकार' की ससूत्र रूपसिद्धि कीजिए।

46. 'भवेयुः' इत्यस्य रूपसिद्धिः कार्या। 3

'भवेयुः' की रूपसिद्धि कीजिए।

47. 'जीवति तु वंश्ये युवा' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। 3

'जीवति तु वंश्ये युवा' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

भाग - E

चत्वारः प्रश्नाः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः **4x5=20**

चार प्रश्नों का दीर्घोत्तरों से समाधान कीजिए :

48. 'चार्थे द्वन्द्वः' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। **5**
'चार्थे द्वन्द्वः' इस सूत्र का सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

49. 'विधिनिमन्त्रणामन्त्रणाधीष्टसंप्रश्नप्रार्थनेषु लिङ्' सूत्रमिदं सोदाहरणं विवेचयत। **5**
'विधिनिमन्त्रणामन्त्रणाधीष्टसंप्रश्नप्रार्थनेषु लिङ्' इस सूत्र का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

50. 'अहौषीत्' इति रूपं ससूत्रं साधयत। **5**
'अहौषीत्' की ससूत्र रूपसिद्धि कीजिए।

51. युष्मदीयः, यौष्माकीणः, यौष्माकः इति रूपत्रयं ससूत्रं साधयत। **5**
युष्मदीयः, यौष्माकीणः, यौष्माकः इन तीनों रूपों की सिद्धि कीजिए।

- o O o -